PARIVARTAN
परिवर्तन
अगस्त 2025 अंक 5, खंड 9

परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

पारंपरिक खेल फुटबॉल का लगातार बढ़ता कदम

परिवर्तन द्वारा प्रारंभ से ही पारंपरिक खेलों को पोषित करने एवं उन्हें बढ़ावा देने का प्रयास होता आया है। इसी कड़ी में फुटबॉल का खेल भी है। यह खेल आज से कुछ वर्ष पहले तक समुदाय में देखने को मिलता था पर आज धीरे धीरे गाँव से यह खेल विलुप्त होता जा रहा है।इसके अपने सैकड़ों कारण है। इन्ही सब बातों को ध्यान रखते हुए एवम फुटबॉल के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 3-10 अगस्त 2025 तक पंचायत स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस आयोजन हेतु सबसे पहले प्रत्येक पंचायत में खिलाड़ी चयन अभियान चलाया गया। इस अभियान में फुटबॉल खेल के लिए आवश्यक सभी योग्यताओं को ध्यान में रखा गया एवं उसके बाद खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयन के बाद इनके प्रशिक्षण की बात आई। प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षक के रूप में परिवर्तन से जुड़े पुराने सीनियर खिलाड़ियों की मदद ली गयी। इनकी मदद से प्रत्येक पंचायत में इनका नियमित प्रशिक्षण आयोजित हुआ। प्रशिक्षण उपरांत आठों पंचायतों कि टीमों को एक विशेष नाम दिया गया -,जामापुर रॉयल्स, भरौली फाइटर्स, नरेन्द्रपुर एडवेंचर्स, गडार अवेंजर्स, बलिया पैंथर्स , भवराजपुर चार्जर्स और चंदौली गंगौली यूनाइटेड। इसके बाद इन खिलाड़ियों को एक दिन परिवर्तन में इकठ्ठा करके प्रतियोगिता के नियमों शर्तों से अवगत करवाया गया एवं उसी दिन उन्हें जर्सी भी दी गयी। प्रत्येक टीम को प्रबंधित करने हेतु कोच एवम प्रबंधक भी बनाये गए थे। दिनांक 20-24 अगस्त से अलग अलग पंचायतों के खिलाड़ियों के साथ नॉक आउट मैच, सेमिफाइनल मैच, आयोजित हुआ जिसमें आठों टीमें तय योजना अनुसार आपस में भिड़ीं ।इस प्रकार दो टीमों जामापुर रॉयल्स एवं गडार अवेंजर्स ने फाइनल में अपनी जगह बनायीं। इन्ही दोनों टीमों के बीच फाइनल मुकाबले का आयोजन परिवर्तन में हुआ जिसमें जामापुर रॉयल्स टीम ने ट्राई ब्रेकर में 5/3 से मैच जीता एवम विजेता ट्राफी अपने नाम की।

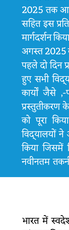

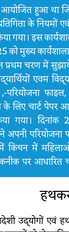

यह गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता की समाप्ति के बाद परिवर्तन का प्रयास समाप्त नहीं होता है बल्कि परिवर्तन द्वारा इस खेल में रुचि रखने वाले बच्चों को नियमित निःशुल्क प्रशिक्षण देने हेतु आमंत्रित किया जाता है ताकि भविष्य में ये बच्चे फुटबॉल के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें एवं अच्छा मुकाम हासिल कर सकें।

बच्चों में अब खोज कि प्रवृति लगातार बढ़ रही है

विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान विषय के प्रति खोजी प्रवृति का बनाने के उद्देश्य के साथ ही उनमें नयी सोच के साथ विज्ञान के पहलुओं से जुड़ने का अवसर उपलब्ध कराने हेतु दिल्ली पब्लिक स्कूल पटना के प्रशिक्षकों के सहयोग से पिछले दो वर्षों से परिवर्तन विज्ञान कांग्रेस कार्यक्रम का आयोजन शुरू किया गया है। इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों को विज्ञान के बिन्दुओं से जुड़ने का मंच उपलब्ध करवाया जाता है ।ताकि बच्चे छोटे स्तर पर अनुसंधानात्मक गतिविधियों से जुड़ते हुए विज्ञान विषय में विस्तार पायें ।इसके साथ ही ऐसे कार्यक्रमों में सहभागिता कर बच्चे अन्य मंचों पर होने वाली विज्ञान की प्रतिस्पर्धा को सूझ बूझ के साथ प्रस्तुत करें ।अर्थात् प्रतियोगिता के गुण एवं कौशल का समुचित विकास करें। इसी सोच के तहत इस वर्ष यह कार्यक्रम दिल्ली पब्लिक स्कूल पटना के कुल 4 प्रशिक्षकों की देख रेख में दो चरणों में क्रियान्वित किया गया ।पहला चरण 18-19 जुलाई 2025 तक आयोजित हुआ था जिसमें शोध के विभिन्न विषयों सहित इस प्रतिगिता के नियमों एवं आवश्यक तैयारियों के लिए मार्गदर्शन किया गया। इस कार्यशाला के उपरांत दिनांक 21-23 अगस्त 2025 को मुख्य कार्यशाला आयोजित हुई। इस चरण के पहले दो दिन प्रथम चरण में सुझाये गये नियमों का ध्यान रखते हुए सभी विद्यार्थियों एवम विद्यालयों द्वारा किये गए सभी कार्यों जैसे ,-परियोजना फाइल, मॉडल, वर्क लाग बुक एवं प्रस्तुतीकरण के लिए चार्ट पेपर आदि से सम्बन्धित अधूरे कामों को पूरा किया गया। दिनांक 23अगस्त 2025 को सभी विद्यालयों ने अपनी परियोजना फाइल एवं मॉडल को प्रस्तुत किया जिसमें किचन में महिलाओं के लिए आटा चालने की नवीनतम तकनीक पर आधारित चालन मशीन, हमारे स्थानीय स्तर पर जैविक खेती की संभावनाओं की रूपरेखा , कृषि में स्थानीय स्तर पर पड़ने वाले जलवायु प्रभाव का अवलोकन एवम समाधान, हरित उर्जा स्त्रोत की नवीनतम संभावनाओं पर सोच विचार आदि विषय प्रमुखता से शामिल रहे। इस कार्यक्रम में कुल 16 विद्यालयों से 98 विद्यार्थी एवं 20 शिक्षकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम दो उम्रसीमाओं के विद्यार्थियों के साथ आयोजित किया गया जिसमें सीनियर समूह में कक्षा 9 एवं 10 वर्ग के बच्चे शामिल थे। सीनियर समूह में उच्च विद्यालय भरथुईगढ़ ने प्रथम पुरस्कार, उच्च विद्यालय बलईपुर ने द्वितीय पुरस्कार एवं उच्च विद्यालय बंथू श्रीराम ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीँ जूनियर समूह में कक्षा 6-8 वीं के विद्यार्थी शामिल रहे जिसमें मध्य विद्यालय नरेन्द्रपुर को प्रथम पुरस्कार, मध्य विद्यालय रुईयां बंगरा को द्वितीय पुरस्कार एवं मध्य विद्यालय जीरादेई को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इन सभी विद्यालयों को पुरस्कार के रूप में विज्ञान प्रयोग टूल किट प्रदान किया गया ताकि बच्चे इसका उपयोग विद्यालय में कर सकें।

हथकरघा परम्परा एवं बुनकर हमारे लिए दोनों जरुरी है

भारत में स्वदेशी उद्योगों एवं हथकरघा परंपरा सहित बुनकरों को प्रोत्साहित करना वर्तमान समय में बहुत आवश्यक है। हथकरघा क्षेत्र हमारे देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है और हमारे देश के ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण भागों में आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत। यह एक ऐसा क्षेत्र भी है जो सीधे तौर पर महिला सशक्तिकरण को संबोधित करता है जिसमें 70 फीसदी से अधिक बुनकर और इससे सम्बन्ध रखने वाली श्रमिक ,महिलाएं ही हैं। यह प्रकृति में निहित, न्यूनतम पूंजी और बिजली की आवश्यकता के साथ पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन प्रतिक्रियाएं हैं ।इसमें फैशन के रूझानों और तेजी से बदलती ग्राहक प्राथमिकताओं में बदलाव को पूरा करने के लिए नवाचार करने का लचीलापन भी है। 7 अगस्त 1905 को हुए स्वदेशी आन्दोलन ने स्वदेशी उद्योगों और विशेष रूप से हथकरघा बुनकरों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अभियान शुरू किया था। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सबरंगी एवं परिवर्तन के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी 7 अगस्त 2025 को सबरंगी से जुड़े सभी बुनकरों एवं अन्य सदस्यों के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान इस दिवस के महत्त्व के साथ-साथ बुनकरी से जुड़ने के बाद जीवन में आये निजी बदलावों पर भी बुनकरों ने प्रकाश डाला। महिला सदस्यों द्वारा नाटक ताना बाना की प्रस्तुति दी गयी जिसमें दिखाया गया कि हमारे समाज के लिए बुनकर और बुनकरी कितने आवश्यक हैं। इस नाटक के बाद मास्टर बुनकर द्वारा बुनाई के इतिहास से लेकर बुनकरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया एवं सबरंगी अथवा अन्य स्वदेशी कपड़ों के इस्तेमाल का आग्रह किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित लोग बुनकरी से सम्बंधित कई सारी नईं जानकारियों से अवगत हुए। कार्यक्रम सभी को बेहद पसंद आया एवं बुनकरी से जुड़े होने के कारण गर्व भी महसूस हुआ।

पशु आहार कि व्यवस्था के साथ साथ उनके स्वास्थ्य के प्रति सजगता भी आवश्यक है

परिवर्तन हरियाली कृषि ज्ञान केंद्र किसानों के लाभ एवं उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न तरह के कार्यक्रमों को चलाने का प्रयास करता रहता है।इसी कड़ी में इस माह में पशुपालक किसानों के लिए दिनांक 21 अगस्त 2025 को परिवर्तन परिसर में पशुआहार सह पशु स्वास्थ्य प्रबंधन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में 122 पशुपालक और 3 पशु विशेषज्ञों की भागीदारी रही। कार्यक्रम के दौरान पशु आहार प्रबंधन के वर्ष भर हरा चारा उत्पादन, पशु आहार हेतु दाना बनाने के तरीकों एवं पशुओं की स्वास्थ्य बेहतरी ,उनका रख रखाव और विभिन्न रोगों से उनके बचाव हेतु नियमित टीकाकरण की जानकारी प्रदान की गयी। परिवर्तन कार्यक्षेत्र में अभी लम्पी बीमारी बहुत तेजी से पशुओं में फ़ैल रही है, इस बीमारी में पशुओं के शरीर पर पानी वाला फफोला एवं चकत्ता जैसा हो रहा है एवं बाद में वो फूट जा रहा है। लम्पी बीमारी से बचाव एवं उचित देखभाल की विस्तृत जानकारी किसानों को दी गयी। पशुपालकों को सुझाव दिया गया कि वे अपने पशु स्वास्थ्य हेतु नजदीकी पशु चिकित्सालय से ही पशुओं की देखभाल कराएँ अन्यथा किसानों को पशु स्वास्थ्य के साथ साथ आर्थिक क्षति भी हो सकती है। बैठक में उपस्थित पशुपालक जिनके मवेशी वर्तमान में रोग बीमारी से ग्रस्त हैं उनका नाम नोट किया गया ताकि उनके घर मवेशी के इलाज के लिए मवेशी एम्बुलेंस भेजा जा सके। पशु पालकों के लिए चलाई जा रही बिहार सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई ।

किशोरियों के लिए उपलब्ध मंच में मीना मंच एक बेहतर मंच है

किशोरी सशक्तिकरण जागृति महिला समाख्या कार्यक्रम का महत्वपूर्ण लक्ष्य है। किशोरियों का समूह समुदाय में अलग अलग परिस्थितियों में रहता है। स्कूल जाने वाली किशोरियां, बीच में पढ़ाई छोड़कर घर की जिम्मेवारी ढोती हैं ।कुछ किशोरियां, घर और घर से निकलकर कुछ हुनर सीखती हैं और शादी के इंतज़ार में अपना समय काटती रहती हैं। सभी के लिए अपनी सुरक्षा की चिंता एक जैसी होती है। मीना मंच के माध्यम से किशोरी छात्राओं को विद्यालय के भीतर संगठित करते हुए उन्हें परिवार और समुदाय के स्तर पर जिस प्रकार के भेदभाव और शारीरिक और मानसिक शोषण की घटनाओं से रोजमर्रा की जिंदगी में लड़ना और जूझना पड़ता है ,-वैसे विषयों और मुद्दों पर चर्चा कराने के लिए हम मीना मंच को नए सिरे से सक्रिय करने का प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में हमने अगस्त महीने में अपने कार्यक्षेत्र के 47 गांवों के 12 मध्य विद्यालयों में मीना मंच की बैठक में भाग लिया और किशोरियों के बीच एक खुले संवाद सत्र के माध्यम से बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और लैंगिक समानता के मुद्दे पर बातचीत की। मीना मंच की बैठक में पहली बार भाग लेने वाली छात्राओं ने इस कार्यक्रम को अपने लिए काफी ज्ञानवर्धक और उपयोगी कहा। ज्यादातर किशोरियों ने माना कि इस कार्यक्रम के माध्यम से उनकी झिझक टूट रही है और उन्हें अपनी बात रखने का आत्मविश्वास हासिल हो रहा है।

पूर्वावलोकन प्रस्तुति हमें सुधार का अवसर देती है

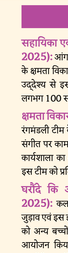

सामुदायिक रंगमंच समुदाय की समस्याओं और उनके संघर्षों के प्रचार प्रसार एवं जागरूकता के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में किसानों की खेतीबाड़ी और दिन प्रतिदिन परिवर्तित होते मौसम ,रासायनिक खाद की अधिकता से धरती की प्राकृतिक उर्वरता में कमी के कारण उत्पन्न समस्याओं से किसानों के संघर्ष पर रंगमंडली ने प्रकाश डाला।खेतीबाड़ी,विषय से सम्बंधित नाटक,-जब जागो तभी सबेरा की पूर्वावलोकन प्रस्तुति की गयी ताकि अन्य दर्शकों से नाटक में सुधार के लिए सुझाव लिया जा सके ।दर्शकों और परिवर्तन कार्यकर्ताओं के सुझाव से नाटक में कुछ बदलाव किये गए। यह प्रस्तुति काफी अर्थपूर्ण रही ।

सितम्बर एवं अक्टूबर माह के प्रमुख कार्यक्रम

सहायिका एवं सेविका प्रतियोगिता (11-13 सितम्बर 2025): आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ी सेविकाओं एवम सहायिकाओं के क्षमता विकास एवं उन्हें नयी नयी गतिविधियों को सिखाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें लगभग 100 सहायिकायें एवं 130 सेविकायें भाग लेंगी।

क्षमता विकास कार्यशाला (16-20 सितम्बर 2025): रंगमंडली टीम के सदस्यों के क्षमता विकास एवं लोक पारंपरिक संगीत पर काम करने एवं उन्हें इकठ्ठा करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसमें विशेषज्ञ द्वारा इस टीम को प्रशिक्षण दिया जायेगा।

घरौंदे कि और कला प्रदर्शनी (16-20 सितम्बर 2025): कला इकाई घरौंदा से अधिक से अधिक बच्चों के जुड़ाव एवं इस इकाई से जुड़े बच्चों द्वारा बनाई गयी कलाकृतियों को अन्य बच्चों तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें अलग अलग विद्यालयों में प्रदर्शनी लगायी जाएगी।

रबी कार्यशाला (17 सितम्बर 2025) : आने वाले रबी सीजन हेतु किसानों को विभिन्न तरह की जानकारियों को देने एवं इस सीजन कि तैयारी पूर्व से करने हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इस वर्ष का यह कार्यक्रम समुदाय में किसानों के बीच जाकर किया जायेगा ।

स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता (20 सितम्बर 2025): विद्यालय में पढ़ने एवं बच्चों के अन्दर कबड्डी खेल के प्रति उत्साह पैदा करने एवं इस क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु विभिन्न प्रकार के कौशल से अवगत करवाने के उद्देश्य से इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा जिसमें विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे भाग लेंगे।

किशोरी नेतृत्व क्षमता अभिवर्धन कार्यशाला (23 सितम्बर 2025): जागृति महिला समाख्या से जुड़ी किशोरियों के अन्दर नेतृत्व कौशल वृद्धि एवं आगे बढ़ने के विभिन्न तरीकों पर बात करने एवं कौशल वृद्धि करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें प्रशिक्षण देने वाले विशेषज्ञ को बाहर से बुलाया जायेगा।

चहकने कि ललक कार्यशाला (5 अक्टूबर 2025): प्रत्येक चार माह पर प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका चहकने की ललक ,के अगले अंक के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसमें दिए गए विषय पर बच्चे अपनी बात रखेंगे और कविता कहानी एवं चित्रांकन करेंगे ।

गाँधी जयंती (2 अक्टूबर 2025): गाँधी जी के विचार एवं सामाजिक बदलाव हेतु उनके द्वारा किये गए विभिन्न प्रयासों को याद करने एवं उनका सम्मान करने हेतु इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें क्षेत्र के ग्रामीण एवं परिवर्तन टीम भाग लेगी।

नन्हे कदम कार्यशाला (7 अक्टूबर 2025): बालघर आँगन से जुड़े बच्चों में आये बदलाव को उनके अभिभावकों को दिखाने एवं उनके बैच समाप्ति के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें बच्चों के अभिभावक सहित परिवर्तन के लोग भाग लेंगे।

एक दिवसीय विज्ञान कार्यशाला (7 अक्टूबर 2025): विज्ञान विषय की जटिलताओं को कम करने एवं विज्ञान के किसी भी टॉपिक को प्रयोगात्मक रूप से करके सिखाने की प्रवृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें उस विद्यालय के बच्चे एवं शिक्षक भाग लेंगे।

ग्राम स्तरीय महिला सशक्तिकरण कार्यशाला (9 अक्टूबर 2025): जागृति महिला समाख्या से जुड़ी महिलाओं को नयी जानकारियों से अवगत करवाने एवं समूह के महत्त्व को समझाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन संथू ग्राम में किया जायेगा।